NEP Compliant inside

ओरियंट ब्लैकस्वॉन

अनुराग

नवीन संस्करण

Smart App

हिन्दी पाठमाला 2

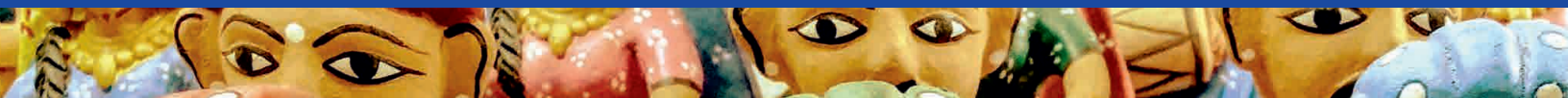

पैकेज एवं फीचर्स

विद्यार्थी के लिए

- **प्रवेशिका 1 एवं 2** LKG एवं UKG के लिए
- **पाठमाला 1-8** कक्षा 1 से 8 के लिए
- **अभ्यास पुस्तिका 1-8** कक्षा 1 से 8 के लिए
- **स्मार्ट ऐप 1-8** कक्षा 1 से 8 के लिए

शिक्षक के लिए

- **शिक्षक दर्शिका 0-8** LKG, UKG एवं कक्षा 1 से 8 के लिए
- **स्मार्ट बुक 1-8** कक्षा 1 से 8 के लिए
- **टीचर्स पोर्टल 1-8** कक्षा 1 से 8 के लिए

पाठमाला एवं अभ्यास पुस्तिका

- NCERT के दिशा-निर्देशों पर निर्मित
- साहित्य की प्रतिनिधि रचनाओं का समावेश
- भाषा-ज्ञान एवं व्याकरण संबंधी अभ्यास
- केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा अनुशंसित लिपि-वर्तनी नियमों का पालन
- पाठ-बोध, अर्थ-बोध एवं भाव-बोध संबंधी प्रश्न
- बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)
- स्वमूल्यांकन (Self Assessment) संबंधी अभ्यास
- पाठ-उपलब्धियाँ (Learning Outcomes) सम्मिलित
- सुनने एवं बोलने संबंधी कुशलताएँ (Listening & Speaking Skills)
- उच्च स्तरीय चिंतन कौशल (HOTS)
- जीवन-मूल्यों पर आधारित प्रश्न (Value Based Questions)
- अनुभव-विस्तार (Subject Enrichment)
- सह-शैक्षिक गतिविधियाँ (Co-scholastic Activities)

डिजिटल में

स्मार्ट ऐप
- कविताओं का QR लिंक
- पाठों का ऐनिमेशन
- पाठों का पठन (Voice Over)
- आकर्षक गतिविधियाँ
- शब्दार्थ

स्मार्ट बुक
- पाठों का पठन (Voice Over)
- पाठों का ऐनिमेशन
- शब्दार्थ
- आकर्षक गतिविधियाँ
- शिक्षकों के लिए सहायता

टीचर्स पोर्टल
- स्मार्ट बुक
- शिक्षक दर्शिका
- मॉडल टेस्ट पेपर

Orient BlackSwan

पाठमाला के सम्बन्ध में

यह **अनुराग हिन्दी पाठ्यपुस्तकमाला** का नवीन संस्करण है। इसको राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के दिशा-निर्देशों के आधार पर प्राथमिक एवं माध्यमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए श्रेणीकृत रूप में तैयार किया गया है। इस संस्करण को नवीनतम मूल्यांकन पद्धति के अनुसार तैयार किया गया है। सभी अभ्यास इसी आधार पर तैयार किए गए हैं। नवीनतम मूल्यांकन का आशय विद्यार्थियों के विद्यालय आधारित मूल्यांकन की उस प्रणाली के बारे में है, जिसमें विद्यार्थियों के विकास के सभी पहलुओं की ओर ध्यान दिया जाता है। यह निर्धारण की विकासात्मक प्रक्रिया है, जो दोहरे उद्देश्यों पर बल देती है। पहला– व्यापक आधारवाली शिक्षा प्राप्ति का मूल्यांकन और निर्धारण और दूसरा– आचरणात्मक परिणामों का मूल्यांकन और निर्धारण। यह शिक्षार्थियों की संवृद्धि और विकास के शैक्षिक और सह-शैक्षिक दोनों क्षेत्रों को समाहित करती है।

मौखिक प्रश्न, लिखित प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न, सुनना एवं बोलना संबंधी कौशल, परियोजनाएँ, वार्त्तालाप कौशल, सृजनात्मक कौशल, जीवन मूल्य, चिंतन तथा आत्म-चेतना सम्बन्धी प्रश्नों के माध्यम से सर्वांगीण विकास पर बल दिया गया है। नवीन मूल्यांकन पद्धति के अनुसासर जानकारी का विश्लेषण करना, सहयोग, उत्सुकता एवं कल्पनाशीलता को बढ़ाना तथा प्रभावी संवाद आदि कौशलों का भी समावेश किया गया है।

- **अनुराग पाठमाला** में इन सभी बातों को ध्यान में रखकर अभ्यासों को तैयार किया गया है। हर पाठ के अभ्यास में मौखिक प्रश्न, लिखित प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न, भाषा और व्याकरण सम्बन्धी प्रश्न, स्वमूल्यांकन (Self Assessment) के लिए प्रश्न तथा अनुभव-विस्तार (Subject Enrichment) के अन्तर्गत पाठ से सम्बन्धित इतर प्रश्न दिए गए हैं। इन्हें सुन्दर और आकर्षक सज्जा द्वारा शिक्षार्थियों के लिए तैयार किया गया है। सह-शैक्षिक गतिविधियों (Co-scholastic Activities) के अन्तर्गत परियोजना कार्य, जीवन कौशल से सम्बन्धित प्रश्न, शिल्पकला, चित्रकला, योग, स्वास्थ्य सम्बन्धी गतिविधियाँ, बाहर तथा घर के अन्दर खेले जाने वाले खेल आदि से सम्बन्धित गतिविधियाँ दी गई हैं।
- **अनुराग पुस्तक शृंखला** में दो प्रवेशिकाएँ क्रमशः नर्सरी और अपर के.जी. के लिए, आठ पाठमालाएँ और उनसे सम्बन्धित आठ अभ्यास-पुस्तिकाएँ कक्षा एक से आठ के लिए हैं। अध्यापकों के लिए नौ शिक्षक दर्शिकाएँ (प्रवेशिका से कक्षा 8), आठ स्मार्ट बुक (कक्षा 1 से 8) तथा विद्यार्थियों के लिए स्मार्ट ऐप (कक्षा 1 से 8) हैं।
- प्रत्येक पाठमाला में आयुवर्ग को ध्यान में रखकर कुछ पाठों का सचेष्ट तथा सोद्देश्य लेखन हुआ है। इस क्रम में पाठों को परिसीमित एवं अनुकूलित भी किया गया है। अन्य अनेक पाठ साहित्य की अन्यान्य विधाओं से यथावत लिए गए हैं।
- **अनुराग** पुस्तक शृंखला में साहित्य की विभिन्न विधाओं का समावेश है। इस प्रकार साहित्यिक संस्कार से संवलित होकर यह पुस्तकमाला प्रकाशित हुई है, जिसमें हिन्दी साहित्य और भाषा की प्रकृति तथा परम्परा स्पष्टतया परिलक्षित है।
- रोचकता के लिए बोधप्रद कहानियाँ और भावप्रवण कविताएँ दी गई हैं, क्योंकि बालमन प्रायः कविता-कहानी में ही रस-ग्रहण करता है। बालकों की जिज्ञासा-वृत्ति की पूर्ति और उद्दीपन के लिए

विज्ञान विषयक सामग्री की भी प्रस्तुति हुई है। राष्ट्रीय भावना को उत्प्रेरित और चिंतन को उद्‌बुद्‌ध करने वाली रचनाओं को भी समाहित किया गया है।

- बालकों में स्वस्थ भावों की उद्‌भावना के लिए आदर, सहयोग, प्रेम, दया, आज्ञापालन, परिश्रम, साहस आदि उच्च मानवीय मूल्य पाठ की अन्तर्वस्तु के रूप में अनुस्यूत हुए हैं। परिवेशगत घटना, पशु-पक्षी, पास-पड़ोस, घर, बाज़ार, मेले आदि ज्ञात विषय अधिकाधिक मात्रा में समायोजित हुए हैं। विषय को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए भाषा को सरस तथा प्रवाहपूर्ण बनाने की चेष्टा सर्वत्र रही है।
- पठन-बोध के लिए शब्द-प्रत्यय का ज्ञान कराना अनुराग पाठमाला का अभीष्ट उद्‌देश्य रहा है और इसी उद्‌देश्य की पूर्ति के लिए पाठों के प्रारम्भ में शब्द-प्रत्यय की व्यवस्था की गई है तथा ध्वनि के दृढ़ीकरण के लिए पाठ के अन्दर शब्दों की आवृत्ति भी हुई है।
- विश्लेषणात्मक उत्तरों से ही बालकों का मानसिक-बौद्‌धिक विकास होता है और चिन्तन की क्षमता में वृद्‌धि होती है। अतः **अनुराग** पुस्तक शृंखला के सभी पाठों के अन्त में बोधात्मक प्रश्न दिए गए हैं और सभी भागों में उनका क्रमिक विकास किया गया है।
- भाषा के यांत्रिक पक्ष से भाषायी कौशल का विकास तथा भाषायी तत्त्वों का ज्ञान होता है और भाषा के रचनात्मक पक्ष से सृजनात्मक कौशल का विकास होता है। अतः इसी उद्‌देश्य से पाठ के भाषा-सम्बन्धी अभ्यासों में सर्वप्रथम भाषा के यांत्रिक पक्ष को ही रखा गया है, तदुपरान्त रचनात्मक पक्ष को। बोधात्मक अभ्यासों में भी भाषा-अधिगम का मूल्यांकन किया गया है; साथ ही अन्यान्य अभ्यासों में भाषा के अनेकविध प्रयोगों से परिचय करवाकर क्रियाशीलन के लिए अधिकतम अभ्यास दिए गए हैं। भाषायी कुशलता का विकास करना तथा भाषायी तत्त्वों से परिचित कराना अनुराग पुस्तक माला का प्रमुख उद्‌देश्य रहा है। इसी उद्‌देश्य के अन्तर्गत इसमें विषय-वस्तु तथा भाषा-संरचना का अनुस्तरण करते हुए बोध और भाषा का उन्नयन किया गया है।
- पाठ को बोधगम्य बनाने के निमित्त विषयों और चित्रों का सादृश्य विधान किया गया है।
- अभ्यास (Exercise) के लिए बोध प्रश्न दिए गए हैं। इसके अन्तर्गत प्रत्यास्मरण, मौखिक और लिखित प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न, भाषा और व्याकरण से सम्बन्धित अभ्यासों को शामिल किया गया है।
- अनुभव-विस्तार (Subject Enrichment) सम्बन्धी प्रश्नों के अन्तर्गत पाठ से इतर प्रश्न एवं प्रोजेक्ट कार्य और विविध गतिविधियाँ शामिल की गई हैं।
- सह-शैक्षिक गतिविधियों (Co-scholastic Activities) के अन्तर्गत जीवन कौशल से सम्बन्धित प्रश्न, शिल्पकला, चित्रकला, योग, स्वास्थ्य सम्बन्धी गतिविधियाँ, बाहर तथा घर के अन्दर खेले जाने वाले खेल आदि से सम्बन्धित गतिविधियाँ दी गई हैं।

अन्त में, हम उन लेखकों और कवियों के प्रति अपना आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने अपनी रचनाओं की अनुमति देकर हमें अनुगृहीत किया है। □

शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए

- कक्षा में किसी पाठ को पढ़ाने के पूर्व शिक्षक छात्र-छात्राओं को पाठ के सम्बन्ध में कुछ बातें बता दें। इसके बाद उस पाठ का मुखर वाचन करें, क्योंकि सुनकर छात्र-छात्राएँ सर्वाधिक ज्ञान अर्जित करते हैं। मुखर वाचन से सुनने की कुशलता का अवसर सृजित होता है।
- वर्ग में छात्र-छात्राओं को वाचन का अवसर प्रदान करना चाहिए, उनके वाचन को मनोयोगपूर्वक सुनना चाहिए और वाचन-क्रम में आ रहे अवरोधों को हटाना चाहिए।
- प्रश्न-समाप्ति के बाद शिक्षक छात्र-छात्राओं से विषयगत अथवा भाषागत प्रश्न अवश्य पूछें। इससे छात्र-छात्राओं को बोलने के कौशल को विकसित करने का अवसर प्राप्त होता है। वाचन करते समय ध्वनिगत भेदों (क्ष-छ, ड-ड़ ण-न, ब-व, श-स) का उच्चारण स्पष्ट होना चाहिए; भावों के अनुसार ही अनुतान का प्रयोग होना चाहिए और विराम-चिह्नों के अनुसार ही यथास्थल ठहरना चाहिए। शिक्षकगण इन बिन्दुओं पर ध्यान दें।
- वाचन के पूर्व पाठ को पढ़ लेना समीचीन होगा, क्योंकि इससे वाचन में प्रवाह आता है और विषय-वस्तु की जानकारी प्राप्त हो जाती है।
- छात्रों के हस्तलेख को सुन्दर बनाने और लेखन-गति को विकसित करने के लिए लेखन के यांत्रिक पक्ष पर बल देना आवश्यक है। उन्हें सुडौल, स्पष्ट, सुन्दर और समान आकार के अक्षरों को लिखने के लिए तत्पर करना चाहिए। शब्दों में अक्षरों की और वाक्यों में शब्दों की समान दूरी पर ध्यान दिलाना ज़रूरी है। इसके लिए विद्यार्थियों को अनुलिपि एवं श्रुतिलिपि के अभ्यास दिए जाएँ। इस क्रम में विद्यार्थियों के वर्तनी-ज्ञान की भी जाँच हो जाएगी।
- प्रारम्भिक कक्षाओं में समान दिखने वाली ध्वनियों (घ-ध, ड-ड़, ढ-ढ़, ब-व, भ-म) के अन्तर को शब्द-प्रयोगों द्वारा स्पष्ट कराना प्रमुख कार्य होता है।
- शब्द-प्रत्यय, अर्थबोध, पर्याय, शब्द-निर्माण, शब्द-संगति आदि भाषायी तत्त्वों का ज्ञान परम आवश्यक है। अतएव पाठ के कठिन और नवीन शब्दों के सन्दर्भगत और सामान्य अर्थों से परिचय कराकर उनका वाक्यों में प्रयोग करने की क्षमता को विकसित करने के लिए उन्हें तत्पर करें।
- पाठ्य-पुस्तकों के निर्माण का एक प्रमुख उद्देश्य भाषा-शिक्षण होता है। प्रायः पाठ के बोधात्मक प्रश्नों के अभ्यास को अधिक महत्त्व दिया जाता है। इससे भाषा के अभ्यास गौण हो जाते हैं। यद्यपि बोधात्मक प्रश्नों में भाषा-मूल्यांकन के प्रश्न निहित रहते हैं; फिर भी भाषा-सम्बन्धी अभ्यासों को कराने पर विशेष बल देना आवश्यक है, क्योंकि भाषा-शिक्षण पाठ का अपरिहार्य अंग है।
- इस प्रकार, छात्र-छात्राओं को चारों भाषायी कौशलों—सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना—का बार-बार अभ्यास कराते रहने से भाषा के आधारभूत स्वरूप का परिचय हो जाएगा।
- पाठमाला के अन्त में दी गई पाठ उपलब्धि तालिका शिक्षकों के लिए सहायक होंगी। इससे वे जानेंगे कि विद्यार्थियों ने पाठ से क्या सीखा (Outcome of the lesson)। इसमें संक्षेप में बताया गया है कि प्रत्येक पाठ की विधा, उसका चिंतन, उसकी भाषागत और पाठगत विशेषताएँ तथा पाठ से सम्बन्धित जीवन कौशल और परियोजना कार्य क्या हो सकते हैं जिसके आधार पर शिक्षक पाठ की योजना सहज ही बना सकते हैं।
- टीचर्स पोर्टल (Teachers' Portal) शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए अत्यन्त सहायक सिद्ध होंगे।

पाठ-सूची

	पाठमाला के सम्बन्ध में			*iii*
	शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए			*v*
	पाठ	**विधा**	**जीवन मूल्य**	**पृष्ठ**
1.	प्रकृति का सन्देश (सोहनलाल द्विवेदी)	कविता	आदर्श	1
2.	दयालु बालक	गद्य	जीवों के प्रति दया-भाव	4
3.	पड़ोसी की सहायता	कहानी	सहयोग	9
4.	चिड़िया (गोपालकृष्ण कौल)	कविता	स्वतन्त्रता	15
5.	पशुओं के घर	वार्त्तालाप	पर्यावरण-बोध	19
6.	चन्द्रमा पर खरगोश	कहानी	परोपकार	26
7.	पानी और धूप (सुभद्रा कुमारी चौहान)	कविता	प्रकृति	31
8.	नन्हा मेमना	कहानी	पशु-प्रेम	35
9.	बढ़े हुए नाखून	गद्य	स्वास्थ्य-सफ़ाई	41
10.	तितली (नर्मदा प्रसाद खरे)	कविता	कीट-प्रेम	47
11.	किसान की सीख	कहानी	परोपकार/भविष्य-बोध	51
12.	पहली उड़ान	ऐतिहासिक कहानी	विज्ञान	57
13.	काम करेंगे (सरस्वती कुमार 'दीपक')	कविता	परिश्रम का महत्त्व	62
14.	बगुला भगत	एकांकी	बुराई का फल	66
15.	बोतल में जिन्न	कहानी	प्रत्युत्पन्नमतित्व	74
	शब्दार्थ-सूची			**80**
	लेखक परिचय			**82**
	पाठ-उपलब्धियाँ			**85**

Orient BlackSwan

4 चिड़िया

तिनके चुनकर लाती चिड़िया।
अपना नीड़ बनाती चिड़िया।
दाना चुगकर आती चिड़िया।
मीठा गीत सुनाती चिड़िया।

चाहे मुन्ना हो या मुनिया।
चाहे गुड्डा हो या गुड़िया।
घर-घर की गौरैया बनकर,
सबका मन बहलाती चिड़िया।

घर में, वन में और फूलों पर।
डाली के हिलते झूलों पर।
कभी फुदककर नाच दिखाती,
कभी गीत-सा गाती चिड़िया।

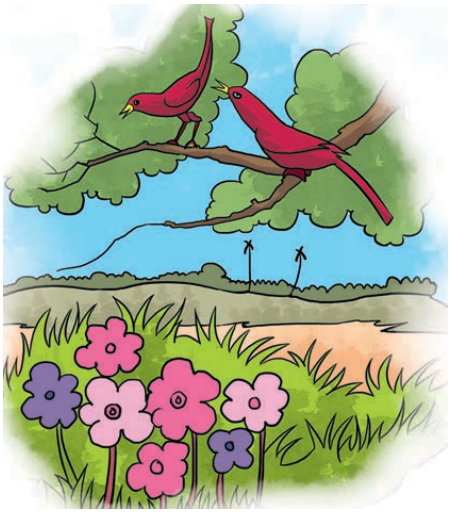

इसको पिंजरे में मत डालो।
खुला छोड़कर इसको पालो।
आज़ादी की खुली हवा में,
अपने पर फैलाती चिड़िया।। ■

—गोपालकृष्ण कौल

Orient BlackSwan

अभ्यास

मूल्यांकन के लिए प्रश्न
Questions for Assessment

शब्दों के अर्थ

नीड़ = घोंसला	गौरैया = चिड़िया
वन = जंगल	डाली = टहनी, शाखा
पर = पंख	

कविता-बोध

1. मौखिक

क) चिड़िया तिनके क्यों चुनती है?

ख) चिड़िया किस-किसका मन बहलाती है?

2. लिखित

क) चिड़िया अपना घोंसला कैसे बनाती है?

ख) चिड़िया कहाँ-कहाँ जाती है?

ग) चिड़िया किसके झूले पर झूलती है?

3. बोलो और लिखो।

नीड़ मुन्ना गुड्डा गौरैया पिंजरा बहलाती फुदककर

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

सही बात पर ✓ का चिह्न लगाओ।

क) चिड़िया कहाँ पंख फैलाती है?

☐ पिंजरे में ☐ खुली हवा में ☐ आकाश में

Orient Black Swan

ख) चिड़िया कैसे नाच दिखाती है?

☐ उड़कर ☐ गीत गाकर ☐ फुदककर

ग) आज़ादी की खुली हवा में,
अपने पर फैलाती चिड़िया। इस पंक्ति का सही अर्थ है–

☐ चिड़िया पेड़ पर रहना चाहती है।

☐ चिड़िया घर में रहना चाहती है।

☐ चिड़िया आज़ाद रहकर आकाश में उड़ना चाहती है।

भाषा-बोध

समान अर्थवाले शब्दों को मिलाओ।

(स्वमूल्यांकन Self Assessment)

नीड़	गाना
वन	टहनी
डाली	पंख
पर	जंगल
गीत	घोंसला

Orient BlackSwan

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

जो शब्द रंगीन शब्द का उलटा अर्थ दे रहा है, उसपर ✓ का चिह्न लगाओ।

घर	×	बाहर	☐	बेघर	☐
वन	×	नगर	☐	जंगल	☐
फूल	×	फल	☐	काँटा	☐
खुला	×	बन्द	☐	खोला	☐
फैलना	×	गिराती	☐	सिकुड़ना	☐

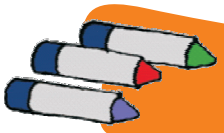

अनुभव-विस्तार
Subject Enrichment

1. कविता को कक्षा में हाव-भाव के साथ पढ़ो।
2. चिड़िया पर पाँच वाक्य लिखो।
3. चिड़िया खुली हवा में आज़ादी से उड़ना चाहती है। वह पिंजरे में नहीं रहना चाहती। सोचकर बताओ, क्यों?

सह-शैक्षिक गतिविधियाँ
Co-scholastic Activities

1. सोचकर इन पंक्तियों में पक्षियों के नाम लिखकर इन्हें पूरा करो–

   – रंग की काली होती,

   – भी काला होता

   रूप-रंग में इन दोनों के अन्तर बहुत नहीं होता।

2. प्रकृति का चित्र बनाकर उसमें रंग भरो–

Orient BlackSwan

पाठ-उपलब्धि Learning Outcome लालच न करना, सहज बुद्धि, कठिन समय में भी हिम्मत व धैर्य से काम करना

14 बगुला भगत

प्रकाश लालची दृश्य उपदेश दुष्ट
बगुला पात्र अभिनय प्रकट हलका

[सामने मंच है। मंच पर पर्दा गिरा हुआ है। मंच के आगे स्कूल के बच्चे बैठे हुए हैं। सभी चाहते हैं कि नाटक जल्दी शुरू हो। अचानक मंच का पर्दा धीरे-धीरे उठने लगता है। बच्चे खुश होकर ताली बजाते हैं। मंच पर प्रकाश फैल जाता है। मंच पर दो पात्र हैं—नानी जी और प्रिया। नानी जी प्रिया को कहानी सुनाने लगती हैं।]

नानी जी – एक बगुला था। वह बहुत लालची था। वह दुष्ट भी था। उसने एक तालाब में बहुत-सी मछलियाँ देखीं। मछलियों को देखकर उसके मुँह में पानी भर आया। वह सोचने लगा कि मछलियों को कैसे खाऊँ। यह सोचकर वह तालाब में चुपचाप खड़ा हो गया।

प्रिया – नानी जी! क्या बगुले ने मछलियाँ नहीं खाईं?

नानी जी – मछलियाँ चालाक थीं। वे बगुले से दूर रह कर ही तैरती रहीं। एक भी मछली बगुले के हाथ नहीं लगी।

प्रिया – फिर क्या हुआ नानी जी?

नानी जी – बगुला निराश हो गया। उसे एक उपाय सूझा। उसने भगत बनने का ढोंग रचा। वह माला जपता हुआ तालाब के किनारे एक पैर पर खड़ा हो गया।

प्रिया – ऐसा क्यों, नानी जी?

नानी जी – बगुले के मुँह से ईश्वर का नाम सुनकर मछलियों ने बगुले को महात्मा समझा। बगुले से मछलियों का डर दूर हो गया। वे बगुले के निकट जाने लगीं।

प्रिया – फिर तो सभी मछलियों को बगुले ने खा लिया होगा, नानी जी?

नानी जी – नहीं, पहले बगुले ने अपने भगत होने का सबूत दिया। वह मछलियों को नहीं खाता था। वह मछलियों से अच्छी-अच्छी बातें करता था। वह उन्हें उपदेश देता था। एक दिन उसने मछलियों को बताया कि यह तालाब सूखने वाला है। यह सुनकर तालाब की सारी मछलियाँ डर गईं।

प्रिया – फिर क्या हुआ, नानी जी?

नानी जी – बगुले ने मछलियों से कहा कि थोड़ी दूर पर एक बड़ी नदी है। मैं तुम लोगों को नदी में ले जाकर छोड़ दूँगा। इससे तुम लोगों की जान बच जाएगी।

प्रिया – क्या मछलियों ने बगुले की बात मान ली?

नानी जी – मछलियाँ भोली थीं। उन्होंने बगुला भगत की बात मान ली। वह बगुला एक-एक मछली को अपनी चोंच में पकड़ता और दूर ले जाकर उसे चट कर जाता।

प्रिया – बेचारी मछलियाँ! क्या सभी मछलियों को वह दुष्ट बगुला खा गया?

नानी जी – हाँ, बेटी! दुष्ट बगुला तालाब की सारी मछलियों को एक-एक करके

खा गया। उस तालाब में बस एक केकड़ा बच गया। बगुला भगत ने सोचा कि इसे भी खा लिया जाए। वह उसे चोंच में ले उड़ चला।

प्रिया – तब तो केकड़े की भी जान गई?

नानी जी – केकड़ा चालाक था। उसने बगुले को अपना लम्बा नाखून दिखाते हुए कहा–

[मंच पर दृश्य बदलता है। नानी और प्रिया मंच के पीछे चले जाते हैं। मंच पर दो पात्र आते हैं। एक पात्र बगुला बना हुआ है। दूसरा पात्र केकड़ा बना हुआ है।]

केकड़ा – बगुला भगत! मुझे डर है कि कहीं मेरे नाखून से तुम्हारी चोंच न छिल जाए। इसलिए मैं तुम्हारी गर्दन हलके से पकड़े रहना चाहता हूँ।

बगुला – ठीक है, पकड़ लो।

[केकड़ा बना हुआ पात्र अपने पंजों से बगुले की गर्दन पकड़ता है। बगुला बना हुआ पात्र उड़ने का अभिनय करता है। कुछ ही देर में मंच के पीछे लटके सफ़ेद पर्दे पर मछलियों के काँटे दिखाई देते हैं।]

केकड़ा – दूर-दूर तक कोई दिखाई नहीं देता। सामने मछलियों के काँटे हैं। मुझे कहाँ लिए जा रहे हो?

बगुला – वहीं, जहाँ मछलियों के काँटे हैं।

Orient BlackSwan

केकड़ा – क्या तुम मेरी जान लेना चाहते हो? देख लो! तुम्हारी गर्दन मेरी पकड़ में है, बगुले!

बगुला – [मन में] मैं तो फँस गया? [प्रकट] केकड़े भाई, मैं मज़ाक कर रहा था।

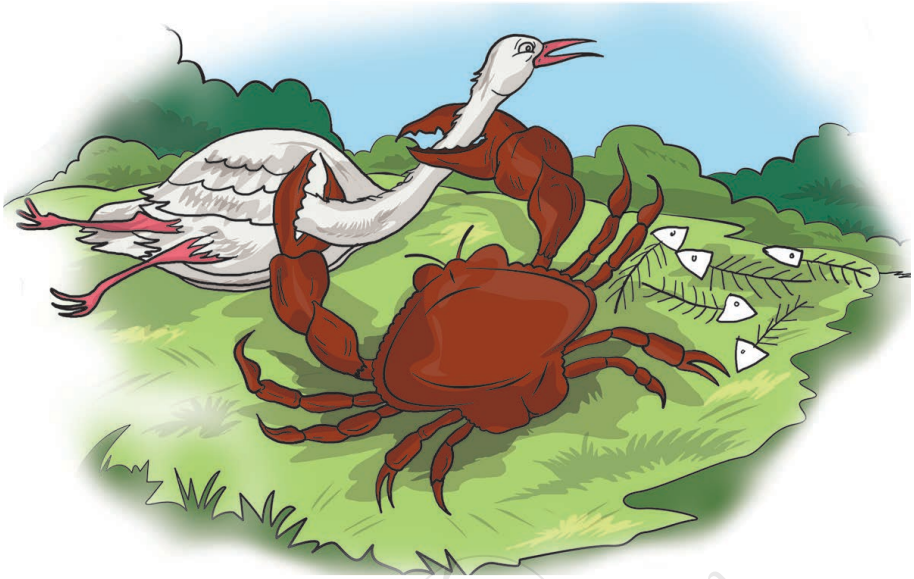

केकड़ा – मेरे तालाब की मछलियाँ कहाँ गईं? जल्दी बताओ।

बगुला – मुझसे गलती हो गई! लालच में पड़ कर मैंने सारी मछलियाँ खा डालीं। अब मैं तुम्हें भी खाना चाहता था। लेकिन मैं तुमसे हार गया।

केकड़ा – मुझे जल्दी तालाब वापस ले चलो, जल्दी!

[बगुला मंच के किनारे आता है।]

बगुला – मैं तुम्हें तालाब के नज़दीक ले आया हूँ। अब तो मेरी गर्दन छोड़ दो। मैं फिर कभी ऐसा नहीं करूँगा। मुझे क्षमा कर दो।

केकड़ा – तुमने मछलियों की जान ली है। तुम्हें दण्ड तो मिलना ही चाहिए।

[केकड़ा बना पात्र अपने हाथ से बगुले की गर्दन दबाता है और भाग जाता है। बगुला बना पात्र छटपटा कर मर जाने का अभिनय करता है। नाटक समाप्त हो जाता है। बच्चे ज़ोर-ज़ोर से तालियाँ बजाते हैं।]

Listening & Speaking Skills

वार्तालाप– बच्चों को बगुला, हंस और बत्तख में अन्तर समझाएँ। केकड़ा क्या होता है, यह भी बताएँ। उनसे पूछें, उन्हें कहानियाँ कौन सुनाता है। उनमें से कोई कहानी अगर उन्हें याद हो तो सुनाने को कहें।

अभ्यास

मूल्यांकन के लिए प्रश्न
Questions for Assessment

शब्दों के अर्थ

मंच = वह ऊँचा स्थान, जिसपर लोग नाटक या भाषण करते हैं
उपदेश = अच्छी सीख
पात्र = नाटक करने वाला
दृश्य = जो दिखाई पड़े या देखने लायक
अभिनय = नाटक खेलना
दंड = सज़ा

पाठ-बोध

1. मौखिक

क) बगुले के मुँह में पानी भर आया—कब?
ख) मछलियों ने बगुले को महात्मा क्यों समझा?
ग) केकड़े ने क्या कहकर बगुले की गरदन पकड़ ली?

2. लिखित

क) बगुला तालाब में क्यों खड़ा हो गया?
ख) बगुले ने मछलियों को क्या कहकर डराया?
ग) केकड़े ने बगुले को दंड क्यों दिया?

3. 'हाँ' या 'नहीं' में बताओ।

क) बगुले ने तालाब में बहुत सारे कछुए देखे। (—)
ख) बगुले ने भगत बनने का ढोंग रचा। (—)
ग) बगुला मछलियों को उपदेश देता था। (—)
घ) मछलियाँ बगुले को खा गईं। (—)
ङ) केकड़े के नाखून से बगुले की चोंच छिल गई। (—)

Orient BlackSwan

4. पढ़ो और लिखो।

मंच	ढोंग	दंड	केकड़ा	अभिनय	ईश्वर
दृश्य	पात्र	क्षमा	समाप्त	महात्मा	छटपटा

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

सही बात पर ✓ का चिह्न लगाओ।

(स्वमूल्यांकन Self Assessment)

क) बगुले ने क्या बनने का ढोंग रचा?

☐ साधु ☐ भगत ☐ संन्यासी

ख) बगुले ने मछलियों को कहाँ छोड़ने की बात कही?

☐ नदी में ☐ समुद्र में ☐ दूसरे तालाब में

ग) बगुला मछलियों को ले जाकर क्या करता था?

☐ खा जाता था ☐ फेंक देता था ☐ नदी में छोड़ देता था

भाषा-बोध

1. कौन, कैसा था, पाठ में से चुनकर लिखो।

बेचारी	मछलियाँ	चालाक	–
लालची	–	भोली	–
बड़ी	–	भगत	–

2. उदाहरण के समान वाक्यों को 'और' शब्द से जोड़कर लिखो–

उदाहरण– एक बगुला था। वह लालची था। वह दुष्ट था।

⇒ एक लालची **और** दुष्ट बगुला था।

क) एक तालाब था। वह छोटा था। वह गहरा था।

⇒ –

ख) एक युवक था। वह लंबा था। वह तगड़ा था।

⇒ –

Orient BlackSwan

ग) एक पहाड़ था। वह ऊँचा था। वह विशाल था।

⇒ ___ ___

3. बोलकर पढ़ो।

आऊँगा	पीऊँगा	जाऊँगा	लिखूँगा
खाऊँगा	सीखूँगा	पाऊँगा	सुनूँगा

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

रंगीन शब्द के सही अर्थ पर ✓ का चिह्न लगाओ।

मुँह में पानी भर आना–

☐ लालच आना ☐ मुँह में पानी आ जाना ☐ पानी पीना

हाथ नहीं लगना–

☐ पकड़ में नहीं आना ☐ छू न पाना ☐ बहुत ऊँचा होना

चट कर जाना–

☐ खा जाना ☐ चटनी बनाना ☐ चाटना

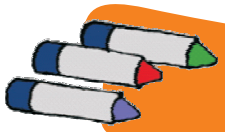

अनुभव-विस्तार
Subject Enrichment

1. सोचकर बताओ, क्या होता यदि–
   - बगुला पहली बार से ही मछलियाँ खाना शुरू कर देता?
   - मछलियाँ बगुले को महात्मा नहीं समझतीं?
   - केकड़ा बगुले की गरदन नहीं पकड़ता?
2. प्रिया ने अपनी नानी से कहानी सुनी। तुम भी अपनी नानी या दादी से कहानियाँ सुनते होंगे। उनमें से अपनी पसंद की कोई कहानी कक्षा में सुनाओ।
3. इस कहानी का शीर्षक 'बगुला भगत' है। क्या तुम कोई और शीर्षक देना चाहोगे।

Orient BlackSwan

सह-शैक्षिक गतिविधियाँ
Co-scholastic Activities

किसी कहानी पर एक चित्र बनाकर उसमें रंग भरो।

Orient BlackSwan

लेखक परिचय

सोहनलाल द्विवेदी का जन्म 4 मार्च, 1906 को ग्राम बिन्दकी, फतेहपुर, उत्तर प्रदेश में हुआ था। इनकी मुख्य कृतियाँ हैं – *भैरवी, वासवदत्ता, पूजागीत, विषपान* तथा *जय गांधी*। इनके कई बाल काव्य संग्रह भी प्रकाशित हैं। ये पद्मश्री अलंकरण से सम्मानित हैं। 19 फ़रवरी, 1988 को इनका देहावसान हुआ।

सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म 16 अगस्त, 1904 इनकी शिक्षा भी प्रयाग में ही हुई। सुभद्रा कुमारी बाल्यावस्था से ही देश-भक्ति की भावना से ओत-प्रोत थीं। दुर्भाग्यवश मात्र 43 वर्ष की अवस्था में एक दुर्घटना में 15 फ़रवरी, 1948 को इनकी मृत्यु हो गई। इनकी प्रमुख रचनाएँ हैं- *मुकुल* (कविता-संग्रह), *बिखरे मोती* (कहानी संग्रह), *सीधे-सादे चित्र* और *चित्रारा*। *झाँसी की रानी* इनकी बहुचर्चित रचना है। इन्हें *मुकुल* तथा *बिखरे मोती* पर अलग-अलग सेकसरिया पुरस्कार मिले।

नर्मदा प्रसाद खरे का जन्म जबलपुर में हुआ। इनका कर्मक्षेत्र मध्य प्रदेश रहा। ये मध्य प्रदेश हिंदी साहित्य सम्मेलन के सभापति पद पर भी रहे। *प्रेमा* के सहायक सम्पादक तथा *युगारंभ* के सम्पादक रहे। इनके प्रमुख कविता संग्रह हैं- *ज्योति-गंगा* तथा *स्वर-पाथेय*। *रोटियों की वर्षा* इनका बहुप्रशंसित कहानी संग्रह है।

सरस्वती कुमार दीपक का जन्म 7 जुलाई, 1918 को नैथला, बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश में हुआ। इनकी कुछ प्रमुख कृतियाँ– *चुन्नू-मुन्नू, गाड़ियों का राजा, चोरी का फल, नकटा राजा, हाथी घोड़ा पालकी, बच्चों की कव्वालियाँ* एवं *जय जननी जय भारती* आदि हैं। 08 जुलाई, 1986 को इनका देहावसान हुआ।

Orient BlackSwan

अनुराग हिन्दी पाठमाला 2 नवीन संस्करण–पाठ-उपलब्धियाँ (Learning outcomes of the lesson)

पाठ क्रम	विधा	चिंतन	पाठगत एवं भाषागत योग्यताएँ	रचनात्मक कार्य/गतिविधियाँ	जीवन मूल्य/संदेश
1. प्रकृति का संदेश (सोहनलाल द्विवेदी)	कविता	वर्णन, संदेश, आशय	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कठिन शब्द, विशेषण, समानार्थी शब्द	अभिनय के साथ कविता पाठ, चित्र में रंग भरना	प्रकृति-प्रेम, जीवन में आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा, धैर्यता, दृढ़ता
2. दयालु बालक	प्रेरक-प्रसंग	कारण, वर्णन, परिणाम, कार्य-कारण संबंध, कल्पना	प्रत्यास्मरण बहुविकल्पी प्रश्न, कठिन शब्द, वाक्य रचना, समानार्थी शब्द	अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, कल्पना करके बताना	पक्षियों से प्रेम, क्षमा, दयालुता व सहानुभूति
3. पड़ोसी की सहायता	कहानी	कल्पना, कारण अनुमान	प्रत्यास्मरण, पाठ आधारित प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न, कहानी को सही क्रम से लिखना, कठिन शब्द, शब्दों के शुद्ध रूप, विशेषण-विशेष्य	'मेरा पड़ोसी' पर वाक्य लिखना, अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, कल्पना करके कहानी आगे बढ़ाना, अवलोकन	सहयोग, सही सोच का विकास, एकता, अत्याचार का विरोध व सामना करना
4. चिड़िया (गोपाल कृष्ण कौल)	कविता	कारण, वर्णन, अनुमान	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कठिन शब्द, समानार्थी शब्द, विलोम शब्द	वाक्य लेखन, चित्र में रंग भरना, कविता में पक्षियों के नाम भरना, चिड़िया बनाना (परियोजना-निर्माण) कल्पना व अनुमान लगाकर बताना	प्रकृति-प्रेम, पक्षियों से प्रेम व दया, रचनात्मकता, स्वतंत्रता की भावना
5. पशुओं के घर	वार्ता	कारण, वर्णन	प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, वाक्य रचना, विशेषण-विशेष्य, समानार्थी शब्द	धरती के, पानी के एवं पालतू पशुओं के नाम लिखना, अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, सप्ताह के दिन याद करना, चित्र में जंगली जानवर ढूँढ़ना	पशु-पक्षी प्रेम, सही सोच का विकास, दया, सहानुभूति, पर्यावरण संरक्षण
6. चन्द्रमा पर खरगोश	कहानी	वर्णन, कारण, कल्पना	प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, कथन बताना, विशेषण, क्रिया-विशेषण अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, विलोम शब्द	चित्र में रंग भरना, अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, चित्र बनाना	पशु-प्रेम, आतिथ्य के प्रति सम्मान, दृढ़ता, दयालुता, त्याग, सहयोग, परोपकार
7. पानी और धूप (सुभद्रा कुमारी चौहान)	कविता	वर्णन, परिणाम, कल्पना	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कविता की पंक्तियों को सही क्रम देना, शुद्ध वाक्य, वाक्य-रचना, शुद्ध वर्तनी	कविता का सस्वर वाचन, अतिरिक्त जानकारी, अनुभव वर्णन, चित्र में रंग भरना	प्रकृति-प्रेम, कल्पना शीलता, मातृ प्रेम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास
8. नन्हा मेमना	कहानी	वर्णन, कारण, कार्य-करण संबंध, संदेश	प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, कठिन शब्द, मिलान करना, परसर्ग, समुदायवाचक संज्ञा, शुद्ध वाक्य करना	पशुओं के बच्चों के नाम, चित्र-पहेली	पशु-प्रेम, प्रकृति-प्रेम, संगठन की शक्ति, सहायता, दया व सहानुभूति
9. बढ़े हुए नाखून	शिक्षाप्रद गद्य	कारण, वर्णन, परिणाम, तुलना	प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, कथन बताना, कठिन शब्द, वचन, संयुक्त व्यंजन, समास, लिंग	अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, अंत्याक्षरी खेलना	स्वास्थ्य के प्रति सचेतता, सफ़ाई का महत्त्व, वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास
10. तितली	कविता	वर्णन	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कविता की पंक्तियाँ पूरी करना, कठिन शब्द, शब्द-युग्म, तुकांत शब्द, विशेषण-विशेष्य	कविता का सस्वर वाचन, अनुभव वर्णन, परियोजना-निर्माण में ग्रीटिंग कार्ड बनाना	प्रकृति प्रेम, प्रशंसा करना
11. किसान की सीख	कहानी	कारण, कार्य-कारण संबंध, अनुमान कल्पना, संदेश	प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान, कठिन शब्द, विलोम शब्द, प्रत्यय, 'र' का रूप (्), संयुक्त व्यंजन, शब्द-परिवार	कल्पना करके बताना, गमले में पौधा लगाकर उसकी वृद्धि देखना, अतिरिक्त जानकारी	परिश्रम का महत्त्व, कर्त्तव्यनिष्ठा, प्रकृति-प्रेम, आत्म-नियंत्रण, लालच न करना, प्रेरित होना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास
12. पहली उड़ान	गद्य	कार्य-कारण संबंध, परिणाम, कारण वर्णन	प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त-स्थान, कठिन शब्द, वचन, क्रिया-विशेषण, क्रिया का सही प्रयोग, वाक्य रचना	अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करना, अतिरिक्त पठन, गुब्बारे से खेलना	वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास, सहयोग, मिलजुल कर काम करने का महत्त्व
13. काम करेंगे (सरस्वती कुमार दीपक)	कविता	परिणाम, संदेश	अर्थ-बोध, भाव-बोध, बहुविकल्पी प्रश्न, कविता की पंक्तियाँ पूरी करना, कठिन शब्द, तुक वाले शब्द, क्रिया-रूप	कविता का सस्वर वाचन, अनुभव बताना, करने योग्य कार्यों की सूची बनाना	कार्य का महत्त्व, कर्त्तव्यशीलता, परिश्रम का महत्त्व, सहभागिता की भावना का विकास, सफ़ाई का महत्त्व
14. बगुला भगत	एकांकी	कार्य-कारण संबंध, कारण, अनुमान, कल्पना, शीर्षक	प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, 'हाँ' या 'नहीं' में बताना, कठिन शब्द, विशेषण-विशेष्य, मुहावरों का अर्थ, दो वाक्यों से संयुक्त वाक्य बनाना, तुकांत शब्द	कल्पना करके बोलना, कहानी सुनना, शीर्षक बनाना	लालच न करना, सहज बुद्धि, कठिन समय में भी हिम्मत व धैर्य से काम करना
15. बोतल में जिन्न	कहानी	वर्णन, कारण, परिणाम, कल्पना, अनुमान, शीर्षक	प्रत्यास्मरण, बहुविकल्पी प्रश्न, रिक्त स्थान, कठिन शब्द, समानार्थी शब्द, संयुक्त व्यंजन, वचन	शीर्षक बताना, कहानी को कल्पना करके आगे बढ़ाना, कहानी सुनना, स्टिकर इकट्ठे करना, कल्पना करके बताना	सृजनात्मक व रचनात्मक कौशल विकास, साहस, सहज बुद्धि व बहादुरी

ANURAG

Naveen Sanskaran

Class 2

Orient BlackSwan

The National Education Policy (NEP) 2020 emphasises certain crucial parameters based on content and pedagogy. The Anurag series provides a rich range of exercises and activities for each of the parameters. Here is a quick reference guide to some of the examples in this book.

The Anurag series is mapped perfectly to the National Education Policy 2020.

21st Century Skills

A broad set of skills, knowledge, work habits and character traits that are important for success in the 21st century

Experiential/ Constructivist Approach

Learners construct their knowledge, based on what they already know, through experience or by doing and reflection

Integrated Approach

An approach to teaching and learning that works by connecting knowledge and skills across the curriculum, by bringing real life examples to the classroom

The NEP parameters	Features	Page nos.
The 4Cs		
Communication	Listening and Speaking Skills	11, 37, 69
Critical Thinking	Self Assessment	12, 39, 71
Creativity	Co-scholastic Activities	14, 40, 73
Social and Emotional Learning	MCQs	12
	Group Activities (Co-scholastic Activities)	25, 56
	Projects (Co-scholastic Activities)	3, 30, 50
Multiple Intelligences	Higher Order Thinking Skills (Subject Enrichment)	8, 14, 40, 61, 72
	Life Skills/Values	6, 8
	Activity (Music) (Subject Enrichment)	46

The NEP parameters	Features	Page nos.
Experiential/Constructivist Approach	Language and Grammar	13, 39, 71
	Projects	30, 50, 73

The NEP parameters	Features	Page nos.
Subject Integration	Questions for Assessment (EVS, GK and Science)	11, 37
	Subject Enrichment	14, 40, 72
Art Integration	Story Telling (Subject Enrichment and Co-scholastic Activities)	8, 46, 72
	Acting (Subject Enrichment)	18, 25, 40
	Drawing a Picture and Colouring (Subject Enrichment)	3, 18, 30, 50
Health and Wellness	Lesson Text and Activities	41, 43, 46
Values	Life Values and Life Skills	6, 8, 44, 56

Sustainable Development Goals

A framework of 17 global goals designed to be a blueprint to achieve a better and more sustainable future for all

The NEP parameters	Features	Page nos.
Sustainable Development Goals	Lesson Text and Extra Activities (Co-scholastic Activities)	8, 14, 25

Digital Integration

The use of digital tools to enhance and support the teaching–learning process

ICT/Digital resources

Orient BlackSwan Smart App - Voice over of the Chapter, Animation of Lesson's Summary, Word Meaning with Animation, Two Interactive Tasks

Teachers' Smart Book - Voice over of the Chapter, Animation of Lesson's Summary, Word Meaning with Animation, Two Interactive Tasks, Lesson Plans, Answer Keys

Teacher Empowerment

Teachers' Resource Pack - Learning Outcomes, Summary of the Lessons, Lesson Plans, Textbook Answer Key, Workbook Answer Key, Model Test Papers 1 and 2 with Answer Key

Teachers' Portal - Lesson Plans, Animations, Voice over of the Chapter, Answer Keys, Model Test Papers, Summary of the Lessons

Follow us at
OrientBlackSwanSchools

3-6-752 Himayatnagar, Hyderabad 500 029, Telangana, INDIA
customercare@orientblackswan.com | www.orientblackswan.com